उच्च शिक्षा और शोध संस्थान

दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, मद्रास

(संसदीय अधिनियम 14 सन् 1964 द्वारा घोषित "राष्ट्रीय महत्व प्राप्त संस्था")

एम.एड. पाठ्यवस्तु

(नियमित)

विवरण-पत्रिका

MEd I

एम.एड प्रथम वर्ष

कोर्स	कोर्स संख्या	कोर्स	क्रेडिट	अंक
सैध्दान्तिक	1	शिक्षा दर्शन	4	100
	2	शिक्षा का समाजशास्त्र	4	100
	3	शैक्षिक अनुसंधान का सिध्दान्त - 1	4	100
	4	अध्यापक शिक्षा - 1	4	100
	5	अधिगम और विकास का मनोविज्ञान	4	100
	6	शैक्षिक अध्ययन	4	100
प्रायोगिक	I	संप्रेषण कौशल और अर्थप्रकाशक लेखन	4	100
	II	स्व-विकास	4	100
	III	अध्यापक शिक्षा महाविद्यालय में इंटर्नशिप	4	100
			कुल अंक =	900
			कुल क्रेडिट =	36

MEd I

दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, मद्रास

उच्च शिक्षा और शोध संस्थान

संकाय : शिक्षाशास्त्र

स्नातकोत्तर शिक्षाशास्त्र (एम.एड)

वर्ष - 1	पत्र - 1 शिक्षा दर्शन
उद्देश्य	पाठयक्रम को बनाया गया है - • इस संदर्भ में मानव के महत्व और दर्शन के योगदान को समझने में छात्रों को सक्षम बनाना। • सभी शैक्षिक प्रयासों के आधार पर दर्शनीय पूछताछ से छात्रों को अवगत कराना • छात्रों को शिक्षा पर भारतीय के साथ-साथ पाश्चात्य दर्शनों के प्रभाव को समझने में समक्ष बनाना।

अध्ययन विषयवस्तु/पाठयक्रम

इकाई - 1	**दर्शन का परिचय** ✓ दर्शन का अर्थ, परिभाषा और महत्व ✓ दर्शन का विस्तार : आध्यात्म विज्ञान, ज्ञानशास्त्र और मूल्यमीमांसा ✓ संक्षिप्त इतिहास : भारतीय दर्शन और पाश्चात्य दर्शन	4 घंटे
इकाई - 2	**भारतीय शिक्षा के दार्शनिक** ✓ महात्मा गांधी ✓ विवेकानन्द ✓ रबीन्द्रनाथ टैगोर ✓ अरविन्द ✓ जिड्डू कृष्णमूर्ति	8 घंटे
इकाई - 3	**पाश्चात्य तथा अन्य शिक्षा दार्शनिक और उनका शिक्षा पर प्रभाव** ✓ प्रकृतिवाद ✓ आदर्शवाद ✓ व्यवहारिकतावाद ✓ यथार्थवाद ✓ शिक्षा पर उनका प्रभाव	6 घंटे

इकाई - 4	**समकालीन दार्शनिक : विचार और शिक्षा** ✓ अस्तित्ववाद ✓ मानवतावाद ✓ कट्टरवाद ✓ शिक्षा में विश्लेषणात्मक दर्शन और उसका महत्त्व	6 घंटे
इकाई - 5	**शिक्षा दर्शन** ✓ सिध्दान्त के रूप में दर्शन और व्यवहार के रूप में शिक्षा : व्यवहार में सिध्दान्त ✓ शैक्षिक अनुसंधान का विस्तार ✓ शिक्षा दर्शन और उद्देश्य ✓ दर्शन और पाठयक्रम ✓ शिक्षा दर्शन और पध्दति	6 घंटे

प्रायोगिक

- गांधी, रबीन्द्रनाथ टैगोर, मदर टेरेसा आदि के दार्शनिक विचारधाराओं पर कार्य करनेवाले विशेष विद्यालयों पर रिपोर्ट बनाना और यात्रा।
- पाउलो फ्रियेर, जिड्डू कृष्णमूर्ति, फ्रैंकलिन डी. रूसवेल्ट आदि समकालीन दार्शनिकों पर दत्त कार्य
- पाठयक्रम में दिये हुए किसी विषय पर प्रपत्र बनाए जिसमें नवीनतम पत्रिका, लेख और स्रोत पुस्तक का संदर्भ ले।

संप्रेषण पध्दति

- व्याख्यान पध्दति
- विमर्श
- संगोष्ठी
- सामूहिक गतिविधियां
- पवित्र स्थानों के लिए यात्रा

वर्ष - 1	पत्र - 2 शिक्षा का समाजशास्त्र
उद्देश्य	इस कोर्स की समाप्ति पर छात्र सक्षम होंगे। • शिक्षा के सामाजिक संदर्भ को समझना। • समाज और शिक्षा के बीच के संबंध की सराहना। • परिवर्तित सामाजिक संदर्भ में शिक्षा की भूमिका को समझना। • शिक्षा में समाजशास्त्रीय जांच का विस्तार और प्रकृति पठन की भूमिका। • राष्ट्रीय विकास के संदर्भ में शिक्षा की भूमिका की सराहना। • सामाजिक संदर्भ में निर्धारित प्रस्तुत समस्याएँ और प्रकरणों को समझाना।
अध्ययन विषयवस्तु/पाठयक्रम	

इकाई - 1	**शिक्षा का समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण** ✓ समाज और शिक्षा के बीच का अंतःसंबंध। ✓ समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण से शिक्षा को समझना। ✓ शिक्षा समाजशास्त्र की प्रकृति और महत्व।	9 घंटे
इकाई - 2	**शिक्षा और सामाजिक परिवर्तन** ✓ सामाजिक परिवर्तन : प्रकृति, सिध्दान्त और कारक ✓ सामाजिक परिवर्तन की प्रक्रिया और शिक्षा ✓ आधुनिकीकरण और भूमंडलीकरण : शिक्षा पर प्रभाव	12 घंटे
इकाई - 3	**शिक्षा और समाज** ✓ सामाजिक उपप्रणाली के रूप में शिक्षा : उसकी विशेषताएँ, शिक्षा तथा अन्य सामाजिक उपप्रणालियाँ जैसे अर्थशास्त्र, राजनीति, संस्कृति आदि के बीच अंतसंबंध ✓ समाजीकरण की प्रक्रिया के रूप में शिक्षा ✓ उत्संस्करण और संस्कृति संक्रमण - प्रक्रिया, महत्व और प्रभाव	12 घंटे
इकाई - 4	**शिक्षा के सामाजिक प्रकार्य** ✓ समाजीकरण का महत्व : भूमिका और स्थिति, एजेन्सी ✓ समाजीकरण प्रकार्य : संस्कृति का संरक्षण, संचरण और पुनर्व्याख्या ✓ शिक्षा : स्व और वैयक्तिकता का विकास	3 घंटे

इकाई - 5	**शिक्षा और समाज के संदर्भ में वर्तमान मुद्दे** ✓ शिक्षा और धर्मनिरपेक्षता के लक्ष्य ✓ सामाजिक बल के संभावित समकारी के रूप में शिक्षा : शैक्षिक अवसरों की समानता ✓ जनता को शिक्षित करना : दरिद्र और वंचित धारा, स्त्री शिक्षा ✓ शैक्षिक परिवर्तन और सामाजिक परिवर्तन के बीच गति बनाये रखना	15 घंटे
प्रायोगिक • उपर्युक्त शीर्षकों में से किसी एक पर छात्र को दत्तकार्य बनाना होगा। • PPT या मल्टी मीडिया तकनीक की सहायता से प्रस्तुतीकरण करना • शैक्षिक लेखन के रूप में उसी को जमा करना		
संप्रेषण पध्दति • सामूहिक विमर्श : बुक/प्रतिवेदन/प्रलेख पुनरीक्षण और विश्लेषण • फिल्म शो • संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण • अनुसंधान पुनरीक्षण और आलोचना • अनुसंधान प्रस्ताव का विकास		

वर्ष - 1	**पत्र - 3 शिक्षा अनुसंधान का सिध्दान्त - 1**
उद्देश्य	इस कोर्स की समाप्ति पर छात्र सक्षम होंगे • शिक्षा के अर्थ, प्रकार तथा अनुसंधान को समझना • अनुसंधान के विविध प्रकार और शिक्षा में मात्रात्मक और गुणात्मक अनुसंधान के लिए पध्दति को समझना। • अनुसंधान की समस्या को उसके निर्धारित लक्ष्य, प्राक्कल्पना, वैविध्य और विभाजन के संबंध में पहचाने। • सैम्पलिंग रचना की संभावना और असंभावना को समझना • अनुसंधान के विविध उपकरणों की रचना को समझना • अनुसंधान प्रस्ताव की संरचना
अध्ययन विषयवस्तु/पाठयक्रम	

इकाई - 1	**अनुसंधान का अर्थ और प्रकार** ✓ शैक्षिक अनुसंधान : प्रकृति और विशेषताएँ ✓ अनुसंधान के प्रकार : आधार अनुप्रयुक्त और अनुसंधान क्रिया ✓ गुणात्मक और मात्रात्मक अनुसंधान - अर्थ और विशेषताएँ ✓ गुणात्मक और मात्रात्मक अनुसंधान में अनुसंधान के चरण	4 घंटे
इकाई - 2	**अनुसंधानिक समस्या की पहचान और निर्धारण** ✓ अनुसंधान समस्या के विविध स्रोतों की पहचान ✓ परिवर्तनशीलता के अर्थ और प्रकार ✓ अनुसंधान समस्या की पहचान के मानदंड ✓ उद्देश्यात्मक कथन, प्राक्कल्पना, संचालनगत परिभाषा, टर्म का वर्णन और विभाजन करना ✓ साहित्य संबंध के पुनरीक्षण की भूमिका ही शैक्षिक अनुसंधान है	8 घंटे
इकाई - 3	**अनुसंधान के आयाम - गुणात्मक और मात्रात्मक अनुसंधान** ✓ गुणात्मक - प्रायोगिक, सर्वेक्षण, विकास, अंत:संबंध, ऐतिहासिकता ✓ गुणात्मक अनुसंधान : केस अध्ययन, नृवंशविज्ञान, घटना ✓ मिश्रित पध्दति : सिध्दान्त, महत्व, औचित्य और प्रकार	10 घंटे

इकाई - 4	**शिक्षा अनुसंधान में न्यादर्श** ✓ संभाव्यता सैम्पलिंग • यादृच्छिक नमूना चयन • स्तरीकृत प्रतिचयन • सामूहिक नमूना चयन • बहुस्तरीय नमूना चयन ✓ असंभाव्यता नमूना चयन • सुविधाजनक नमूना चयन • सोद्देश्य नमूना चयन • कोटा नमूना चयन • स्नॉबॉल नमूना चयन	10 घंटे
इकाई - 5	**अनुसंधान के उपकरण** ✓ उपकरणों की विशेषता : विश्वसनीयता, वैधता और प्रयोजनीयता ✓ प्रश्नावली, साक्षात्कार, अवलोकन, चेकलिस्ट, दर्ज पैमाने, सोशियोमेट्रिक तकनीक, मानकीकृत परीक्षण ✓ (इस इकाई का विमर्श गुणात्मक और मात्रात्मक अनुसंधान को ध्यान में रखकर की जाएगी। सिध्दान्त, रचना, सबल और सीमाओं पर केन्द्र किया जाएगा।)	10 घंटे

प्रायोगिक

- अनुसंधान प्रस्ताव की तैयारी
- अनुसंधान प्रश्न, उद्देश्य, प्राक्कल्पना, चयनित विषय के विभाजन का निरूपण
- अनुसंधान उपकरण के निर्माण और मान्यकरण।

संप्रेषण पध्दति

- व्याख्यान सह चर्चा
- कार्यशाला सत्र
- दत्तकार्य
- छात्रों द्वारा प्रस्तुतीकरण

वर्ष - 1	पत्र - 4 अध्यापक शिक्षा - 1
उद्देश्य	• अध्यापक शिक्षा के पूर्वसेवा और सेवारत के स्तर और उद्देश्य, आंतरिक सिध्दान्त को समझना। • भारत में अध्यापक शिक्षा के शिक्षकों की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को छात्रों को बताना। • आवश्यक पाठयक्रम, भूमिकारूप व्यवस्था और संसाधन के साथ अध्यापक शिक्षा संगठन के साथ शिक्षक। • सेवापूर्व छात्र शिक्षक सिध्दांत, उद्देश्य, शिक्षा में अर्थ, प्रकार तथा अनुसंधान को समझना।
अध्ययन विषयवस्तु/पाठयक्रम	

इकाई - 1	**अध्यापक शिक्षा : संकल्पना, आवश्यकता और उद्देश्य** ✓ अध्यापक शिक्षा के सिध्दांत ✓ अध्यापक शिक्षा की आवश्यकता और महत्व ✓ विभिन्न स्तरों पर अध्यापक शिक्षा के उद्देश्य ✓ स्वांतत्र्योत्तर भारत में अध्यापक शिक्षा ✓ संस्थानीकरण	9 घंटे
इकाई - 2	**अध्यापक शिक्षा पाठयक्रम** ✓ सैध्दातिक और पाठयक्रम पर मीमांसा ✓ कार्यविवरण मॉडल ✓ अभ्यास घटक ✓ मूल्यांकन घटक	9 घंटे
इकाई - 3	**पंचवर्षीय योजनाओं मे अध्यापक शिक्षा** ✓ प्रथम पंचवर्षीय योजना (1951-56) ✓ द्वितीय पंचवर्षीय योजना (1956-61) ✓ तृतीय पंचवर्षीय योजना (1961-66) ✓ चतुर्थ पंचवर्षीय योजना (1969-74) ✓ पंचम पंचवर्षीय योजना (1974-79) ✓ षष्ठम पंचवर्षीय योजना (1980-85)	9 घंटे

	✓ सप्तम पंचवर्षीय योजना (1985-90) ✓ अष्टम पंचवर्षीय योजना(1992-97) ✓ 1997 और उसके बाद से पंचवर्षीय योजना	
इकाई 4	**अध्यापक शिक्षा : आयोग और समितियाँ** ✓ शिक्षा आयोग 1964-66 ✓ शिक्षा पर राष्ट्रीय नीति 1968 ✓ शिक्षा पर राष्ट्रीय नीति 1986 ✓ कार्यवाई के कार्यक्रम 1992	9 घंटे
इकाई 5	**अध्यापक शिक्षा की समस्याएं** ✓ गुणवत्ता संकट ✓ पहचान का संकट ✓ निर्बल अनुसंधान परिदृश्य ✓ शिक्षकों की शिक्षा नीति की कमी	9 घंटे

प्रायोगिक

- किसी भी अध्यापक शिक्षा संस्थान पर उनकी शिक्षण पाठयक्रम का अभ्यास, मूल्यांकन और भूमिकारूप पर एक रपट बनाएं।
- ज्म्प् के उत्तम अभ्यास का अध्ययन करें।
- अध्यापक शिक्षा की पुनसंरचना की आवश्यकता और महत्त्व के संबंध में शिक्षकविदों के विचारों का सर्वेक्षण करें।

संप्रेषण पध्दति

- व्याख्यान सहचर्चा
- कार्यशाला सत्र
- दत्त कार्य
- छात्र प्रस्तुतीकरण

वर्ष - 1	पत्र - 5 अधिगम और विकास का मनोविज्ञान
उद्देश्य	छात्र सक्षम होंगे • मनोविज्ञान के विविध विद्यालयों में जागरुकता का विकास करना। • शिक्षण के चुनाव के अधिगम सिध्दान्त का चयन और पहचान। • अधिगम के लिए प्रेरणा के महत्व को समझना। • अधिगम और विकास की प्रक्रिया के संबंध में मनोविज्ञान के सैध्दान्तिक योगदान से छात्रों को अनुस्थापित करना। • अधिगम के सिध्दान्त, सामूहिक गतिशीलता, वैयक्तिकता, विकास और समायोजन की वैचारिक पृष्ठभूमि को समझने में छात्रों को सक्षम करना, समायोजन के प्रत्यक्ष और परोक्ष तंत्र और कोपिंग तंत्र की जागरुकता का विकास बनाना। • इन्हीं अवधारणा और सिध्दान्त के शैक्षिक निहितार्थ में आंतरिक विकास के लिए छात्रों की सहायता करना।
अध्ययन विषयवस्तु/पाठयक्रम	

इकाई - 1	**अधिगम** ✓ दृष्टिकोण : व्यवहारवाद, संज्ञानात्मक और मानववाद ✓ इन्ही दृष्टिकोणों की तुलना : अधिगम, अधिगम प्रक्रिया और सीमाएं ✓ शिक्षण और अधिगम के लिए इन दृष्टिकोणों का निहितार्थ ✓ छात्रों की अधिगम शैली	12 घंटे
इकाई - 2	**संज्ञानात्मक अधिगम और मानवीय स्मृति** ✓ मानवीय स्मृति का मॉडल ✓ स्मृति भंडार ✓ संज्ञानात्मक प्रक्रिया ✓ तत्व अनुभूति (मेटाकॉग्निशन)	9 घंटे
इकाई - 3	**प्रेरणा और अधिगम** ✓ प्रेरणा के सैध्दान्तिक दृष्टि ✓ प्रेरणा अधिगम पर आवश्यकता का प्रभाव ✓ प्रेरणा अधिगम पर आस्था का प्रभाव ✓ प्रेरणा अधिगम पर लक्ष्य का प्रभाव ✓ प्रेरणा अधिगम पर रुचि और भावनाओं का प्रभाव	9 घंटे

इकाई 4	**छात्र प्रेरणा को प्रोन्नत करने का कक्षा मॉडल** ✓ प्रभुत्व का सृजन : केन्द्रित कक्षा ✓ शिक्षक : वैयक्तिक गुण जो अधिगम की प्रेरणा को बढाते है। ✓ प्रेरित वातावरण का सृजन कर अधिगम वातावरण बनाना। ✓ निर्देशात्मक परिवर्तनशीलता : अधिगम गतिविधियों में रुचि उत्पन्न करना।	9 घंटे
इकाई 5	**संज्ञानात्मक और भाषा विकास** ✓ विकास के सिध्दान्त ✓ संज्ञानात्मक विकास के पियागेट सिध्दान्त ✓ संज्ञानात्मक विकास के लेव वाइगोटस्की का सामाजिक सांस्कृतिक सिध्दान्त ✓ भाषा विकास	9 घंटे

प्रायोगिक

- चित्र सहित बताइए कि शिक्षकों को संज्ञानात्मक विकास को समझने की आवश्यकता क्यों है?
- कक्षा का निरीक्षण कीजिए और वातावरण परिवर्तनशीलता को अधिगम को पहचानना जिससे छात्रों में अधिगम प्रेरणा का विकास होता है
- शिक्षार्थियों की आवश्यकता को जाने और अधिगम के प्रेरणा पर उसके प्रभाव को चित्र सहित बताइए।
- मानवीय धारणा मॉडल में धारणा संग्रहण का प्रयोग करें जिससे कक्षा और प्रतिदिन संसार में होने वाली घटनाओं का वर्णन प्रस्तुत किया जा सके।
- कक्षा का निरीक्षण कीजिए और छात्रों के अधिगम शैलियों की सूची बनाइए।

संप्रेषण पध्दति

- निरीक्षण अध्ययन : वास्तविक कक्षा में विविध निर्देशात्मक स्थितियों, विद्यालय में विविध गतिविधियाँ, शिक्षकों की भूमिका आदि का निरीक्षण, परावर्तक दैनिकी का निर्माण और साथियों तथा शिक्षकों के साथ विमर्श।
- संगोष्ठी पठन : चयनित विषयों पर व्यक्तिगत और सामूहिक रूप से छात्रों द्वारा प्रस्तुतीकरण जो विमर्श की ओर अग्रसर हो।
- चयनित विषयों पर ग्रंथालय पठन जिसका अनुसरण सामूहिक विमर्श के साथ हो।
- प्रलेखों और संदर्भों का अध्ययन, क्षेत्रीय कर्मचारियों के साथ परस्पर क्रिया और साथी समूह के साथ परावर्तक क्रिया।

वर्ष - 1	पत्र - 6 शैक्षिक अध्ययन
उद्देश्य	छात्र सक्षम होंगे • शिक्षा में सैध्दान्तिक विकास को उनके उचित परिप्रेक्ष्य को समझना और सराहना। • विविध शैक्षिक विचार और दृष्टि पर शिक्षा के सिध्दान्त और प्रासंगिकता के परावर्तन का विश्लेषण। • शिक्षा के सिध्दान्तों और आधारभूत अवधारणाएं जो विविध आत्मीय शास्त्रों जैसे दर्शन, मनोविज्ञान, समाजशास्त्र, प्रबंधन, अर्थशास्त्र आदि का सूक्ष्म निरीक्षण इस प्रकार करना कि उनके पध्दतियों से जोडना, कक्षा में शिक्षाशास्त्र और अभ्यास का प्रतिष्ठापन। • शिक्षा के सामाजिक और सांस्कृतिक आयाम और उनसे संबंधित मुद्दों का विश्लेषण • शिक्षा में भूत और समकालीन मुद्दो का विश्लेषण और उनके अपने दृष्टिबिन्दुओं के निरूपण का प्रयास करना।
अध्ययन विषयवस्तु/पाठयक्रम	

इकाई - 1	**शिक्षा : संकल्पना एवं अर्थ** ✓ शिक्षा का अर्थ ✓ शिक्षा प्राकृतिक प्रक्रिया या सामाजिक प्रक्रिया के रूप में ✓ शिक्षा के मानक आयाम ✓ शिक्षा के संज्ञानात्मक आयाम ✓ शैक्षिक प्रक्रिया	12 घंटे
इकाई - 2	**शिक्षा के लक्ष्य** ✓ शैक्षिक लक्ष्य के आधार ✓ शैक्षिक लक्ष्य की प्रकृति ✓ भारत में शिक्षा के लक्ष्य ✓ शैक्षिक लक्ष्य के प्रकार्य	12 घंटे
इकाई - 3	**शिक्षा की प्रक्रिया और प्रकार** ✓ गतिविधि/प्रक्रिया के रूप में शिक्षा ✓ शिक्षा प्रक्रिया ✓ शिक्षा मोड ✓ सम्मिलित शिक्षा	12 घंटे

MEd I

इकाई 4	**ज्ञान : अर्थ और पहलू** ✓ ज्ञान : अर्थ और परिभाषा ✓ ज्ञान के प्रकार ✓ ज्ञान के लक्षण ✓ ज्ञान की बोधगम्यता ✓ ज्ञान के पहलू	9 घंटे
इकाई 5	ज्ञान निर्माण ✓ ज्ञान प्रक्रिया ✓ ज्ञान मार्ग ✓ ज्ञान निर्माण की प्रक्रिया ✓ रचनात्मक ज्ञान के मागदर्शक सिध्दान्त	9 घंटे

प्रायोगिक

- शिक्षा के मापदंड की पूर्ति में विद्यालय की भूमिका का विश्लेषण।
- राष्ट्रीय पाठयक्रम ढांचा - 2005 का पठन - कक्षा और विद्यालय से परे का अधिगम संबंधी विचार का विश्लेषण।
- ग्रंथालय लाना, नई शिक्षा नीति संबंधी प्रलेखों को लेना। परिवर्तन और महत्व की सूची बनाए।
- शिक्षा पर UNESCO आयोग के जैक्स डेलर कृत ट्रेजर विथइन के अधिगम का रपट पढना और चार स्तम्भों पर विमर्श करें।

संप्रेषण पध्दति

- निरीक्षण अध्ययन : वास्तविक कक्षा में विभिन्न निर्देशात्मक स्थितियों, विद्यालय में विभिन्न गतिविधियां, शिक्षकों की भूमिका आदि का निरीक्षण, परावर्तक दैनिकी का निर्माण और साथियों तथा शिक्षकों के साथ विमर्श।
- संगोष्ठी पठन : चयनित विषयों पर व्यक्तिगत और सामूहिक रूप से छात्रों द्वारा प्रस्तुतीकरण जो विमर्श की ओर अग्रसर हो।
- चयनित विषयों पर ग्रंथालय पठन जिसका अनुसरण सामूहिक विमर्श के साथ हो।
- प्रलेखों और संदर्भों का अध्ययन, क्षेत्रीय कर्मचारियों के साथ परस्पर क्रिया और साथी समूह के साथ परावर्तक क्रिया।